S-VI
Clinical PSY
CORE-XIII

समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति के लक्षण कारण एवं उपचार

# ANTI SOCIAL PERSONALITY DISORDER

DSM IV के अनुसार व्यक्तित्व विकृति एक मानसिक विकृति है जिसके अनिवार्य लक्षण है - चिन्तन तथा प्रत्यक्षण कि एसी उग्र तथा स्थायी कुसमायोजित प्रतिरूप है जो सामाजिक तथा व्यवहारात्मक कार्यवाही को क्षतिग्रस्त बना देते है। व्यक्तित्व विकृति के अनेक प्रकारो मे समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति भी एक है।

प्रांरभ मे इसे ही मनोविकारी व्यक्तित्व Psychopathic Personality फिर समाज विकारी व्यक्तित्व Sociopathic Personality और अब समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति के नाम से जाना जाता है। इस विकृति के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए डेविसन तथा नील Davison & Neale 1996 ने बताया कि - समाज विरोधी व्यक्तित्व जिसको मनोविकारी या समाज विकारी भी कहते है वह विकृति है जिसमे पिडीत व्यक्ति उपर से मनोहारी लगता है पक्का झूठा होता है, दूसरों के लिए कोई सम्मान नही रखता दूसरों को हानी पहुंचाने पर पछतावा भी नही होता, आपतिजनक व्यवहार करने पर भी लज्जा का अनुभव नही करता है दूसरो के साथ साथ संबंध बनाने तथा दायित्व लेने मे अयोग्य होता है और दंडित होने पर भी कोई सबक नही सीख पाता है। एसे व्यक्ति परिवार तथा समाज के लिए काफी दुख दायी होते है इस तरह से दुख देने तथा समाज को खर्च मे डालने वाले कोई भी अन्य प्रकार के असामान्य व्यक्ति नही होते है। एसे व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ होते हुए भी समाज मे आतंक फैलाकर शान्ति भंग करने वाले होते है।

## SYMPTOMS —

समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति के अनेक लक्षण या विशेषताए है जिनके आधार पर इन्हे असानी से पहचाना जा सकता है उन्ही मे से कुछ प्रमुख निम्नलिखित है—

Scanned with CamScanner

1. समाज विरोधी व्यवहार ANTI SOCIAL BEHAVIOUR — ऐसे व्यक्ति के सामाजिक विघटन के लक्षण शैशवावस्था से दिखने लगते है अतएव इनका देखभाल करना कठिन हो जाता है। ये सामाजिक नियमों और आदर्शों का सही पालन करना नहीं सीखते है तथा स्कूल में अपने मित्रों तथा शिक्षकों को काफी परेशान करते है। ये समाज में सदैव लड़ते झगड़ते रहते हैं। इन पर दंड तथा पुरस्कार का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इन्हें अपने कुकर्मों का भी कोई पश्चाताप नहीं होता इनके लिए झूठ बोलना चोरी करना तथा विश्वासघात तो बायें हाथ का खेल होता है। ये न तो अनुशासन प्रिय होते है और न ही आदर्श प्रिय। लेकिन इनकी क्रियाओं का सामाजिक दुष्प्रभाव अवश्य पड़ता है।

2. आत्म केन्द्रित SELF-CENTRED — ऐसे व्यक्ति आत्म केन्द्रित, स्वार्थी तथा दूसरों की सम्मान की परवाह नहीं करने वाले होते है। ये स्वार्थ पूर्ति हेतु मित्रों को भी धोखा देने से नहीं हिचकते हैं। इनके हम की नहीं वरन मैं की भावना होती है ये सामाजिक ~~उत्तरदा उत्तर~~ उत्तरदायित्व से दूर होते हुए भी दूसरों के मन को अपना मन बना लेते हैं। इसके अतिरिक्त ये काफी अवसरवादी भी होते हैं।

3. सूझ की कमी LACK OF ~~IN~~ INSIGHT — ऐसे रोगी का प्रमुख लक्षण यह है कि सूझ की कमी के कारण ये समझ नहीं पाते हैं कि इनके व्यवहार का दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इनमें ~~दुरदर्शिता~~ दूरदर्शिता तथा बुद्धि का अभाव पाया जाता है ये किसी परिणामों को बगैर सोचे ~~किसी~~ अपनी प्रत्येक इच्छा पूर्ति तत्काल चाहता है।

4. लैंगिक विकृति - SEXUAL DISORDER — इनमें मदिरापान की प्रधानता तथा लैंगिक विकास में असामान्यता पायी जाती है इनमें सभी प्रकार कि यौन विकृतियां पायी जाती है।

जिते थे सामान्य समझते है। इनका वैवाहिक जीवन भी अस्थायी तथा असफल होता है।

5. परिवर्तनशीलता CHANGEABILITY – इनमे परिवर्तनशीलता के लक्षण भी अधिक पाए जाते है। इनकी योजनाए अस्थायी होती है ये अधिक घुमक्कड़ होते है तथा पेशा सदैव बदलते रहते है इस प्रकार इनके व्यवहार तथा क्रिया मे स्थायित्व नही पाया जाता है

6. संवेगात्मक विकृति - EMOTIONAL DISORDER – इनमे संवेगात्मक अस्थिरता भी पायी जाती है। ये दुष्ट क्रोधी तथा क्रूर और पलायनवादी स्वरूप के होते हैं। इनके संवेग भी सामान्य व्यक्ति की तरह नही होते है तथा छोटी-2 घटनाओं से भी ये काफी अशान्त हो जाते हैं।

7. नैतिकता की कमी LACK OF MORALITY – इनमे नैतिकता की कमी का लक्षण भी पाया जाता है। इनके व्यवहार इतने अनैतिक होते है कि अनैतिक और अपराधी कार्य करने के बावजूद भी इन्हे लज्जा या शर्म नही आती।

CAUSES समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति भी अनेक कारणो से संचालित होता है जिनमे से कुछ प्रमुख कारणों की चर्चा अग्रलिखित हैं।

1. आनुवंशिकता HEREDITY – कुछ विद्वानों का मानना है कि इसका प्रमुख कारण आनुवंशिकता है क्योंकि ऐसे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति का सुधार किसी शिक्षा या विधी द्वारा संभव नही है इनका मत था कि यदि यह आनुवंशिक नही होता तो किसी-न-किसी शिक्षा या विधी का प्रभाव इनके ऊपर पड़ता। जबकि कुछ विद्वानो का मानना है कि बहुत से व्यक्ति ऐसे शीलगुण अपने जीवन काल मे अर्जित करते है। साथ ही बहुत से ऐसे रोगी ऐसे पाए गए जिनके संतान निरोग और रोगमुक्त है

2. मस्तिष्क रोग - BRAIN DISEASE - मस्तिष्क रोग के कारण भी व्यक्ति असामाजिक व्यवहार करता है। जासपर सोलोमन तथा ब्राडले Jasper Solomon and Bradley ने अध्ययन के आधार पर बताया कि जिन कारण नवजात बच्चे मस्तीष्कीय चोट के कारण अपराधी बन जाते है उसी प्रकार समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति का विकास भी मस्तीष्कीय रोग से होता है।

3. मनोवैज्ञानिक कारण PSYCHOLOGICAL CAUSES - मनोविश्लेषण वादियों का मानना है कि जब व्यक्ति के प्रारंभिक जीवन में असंतुलन अतृप्त इच्छा मानसिक संघर्ष या असुरक्षा के भाव देखे जाते है तो इन्ही के वजह से व्यक्ति आगे चलकर समाज विरोधी व्यवहारो का प्रदर्शित करता है।

4. मातृ प्रेम तथा अन्य ग्रंथियां ODIPUS AND OTHER COMPLEX - फ्रायड ने बताया कि लड़का माँ से तथा लड़किया पिता से प्रेम करते है यदि इस प्रवृत्ति मे किसी तरह की बाधा उत्पन्न हो जाती है तो इस भाव का विकृत विकास हो जाता है और व्यक्ति मे समाज विरोधी व्यक्तित्व के लक्षण विकसित हो जाते है।

5. दोषपूर्ण मॉडल या शिक्षा FAULTY MODELS AND LEARNING - जब माता पिता तथा बच्चो के बीच या बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच दोषपूर्ण संबंध होता है तो यही संबंध समाज विरोधी व्यक्तित्व को ~~प्रश्रय~~ प्रश्रय देता है। क्योंकि ऐसी परिस्थितियों मे जिनका पालन पोषण होता है उनका प्रारंभिक शिक्षण ही दोषपूर्ण हो जाता है क्योंकि उनके साथी परिवार के अन्य सदस्य बच्चे प्रतिमान उपस्थित नही कर पाते है उनके उत्तरदायित्व की भावना का विकास नही हो पाता है तो उस परिवार के बच्चे भी इन गुणो का अनुकरण करना सीख लेते है ये प्रवृत्तियां आगे चलकर व्यक्तित्व के स्थायी गुण हो जाते है। फलतः समाज विरोधी ~~व्यक्तित्व~~ व्यक्तित्व विकृति विकसित होते जाती है।

Scanned with CamScanner

S-VI
Clinical Psy
CORE-XIII

6. प्रारंभिक सामाजिक वंचन EARLY SOCIAL DEPRIVATION–
मनोविकारी व्यक्तित्व के निर्माण में प्रारंभिक सामाजिक वंचन का महत्वपूर्ण हाथ होता है। जब बाल्यावस्था में बच्चे अपनी मां से अलग हो जाते हैं तो वे उनकी सेवा देखभाल प्यार और स्नेह आदि से वंचित हो जाते हैं अतः पारिवारिक संबंध तथा समाजीकरण की अन्य प्रक्रियाएं मनोविकारी स्वरूप की हो जाती है।

7. सामाजिक विघटन SOCIAL DISORGANIZATION – सामाजिक विघटन भी समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति का संपोषक होता है। क्योंकि यदि सामाजिक व्यवस्था सुदृढ़ है तो सामाजिक नियम आदर्श तथा परंपरा आदि भी कायम रहते हैं लेकिन जब किसी कारणवश सामाजिक व्यवस्था गड़बड़ा जाती है तो सामाजिक नियमन, आदर्श, प्रतिमान, परंपरा आदि में परिवर्तन होने लगते हैं जिस कारण सामाजिक विघटन प्रारंभ हो जाता है और अराजकता, अनियमितता तथा अस्थिरता का वातावरण उपस्थित हो जाता है। इस बदले हुई स्थिति में व्यक्ति परंपरागत आदर्श तथा नियमों को छोड़ने लगता है और सफल समायोजन हेतु नए-नए तरीके अपनाने लगता है इसी क्रम में वह समाज विरोधी व्यवहारों को भी अपनाने लगता है।

TREATMENT समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति के उपचार के लिए निम्नलिखित विधियों का उपयोग किया जाता है

1. व्यवहार चिकित्सा – BEHAVIOUR THEARPHY – बन्डुरा Bandura ने इस विधी का उपयोग किया और परिणाम काफी सकारात्मक पाया उन्होंने इसके तीन चरणों step की चर्चा की –

a. सर्वप्रथम रोगी के सामने अच्छे व्यवहार का मॉडल प्रस्तुत किया जाता है मॉडल प्रस्तुत करने वाला स्वयं चिकित्सक भी हो सकता है या कोई और जो रोगी के सामने अच्छे व्यवहार प्रस्तुत करते हैं तथा

Scanned with CamScanner

रोगी को अनुकरण के द्वारा अच्छे व्यवहार सीखाये जाते है जब रोगी इन अच्छे व्यवहारों को सीखने लगता है तो उसे पुरस्कार दिया जाता है जैसे-2 अच्छे व्यवहार सीखता जाता है वैसे-2 उसके पुरस्कार की मात्रा मे वृद्धि की जाती है।

b. दूसरे चरण मे रोगी को माडल व्यवहार की अनुपस्थिति मे अच्छे व्यवहार स्वयं करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके बाद उन्हे अपने अच्छे व्यवहारों का प्रबलीकरण करने तथा स्वयं अच्छे व्यवहार के अनुसार पुरस्कार देने को कहा जाता है। इस तरह अच्छे व्यवहार प्रस्तुत करने उनका प्रबलीकरण करने तथा पुरस्कार देने का कार्य प्रस्तुत कर्त्ता यानि माडल नही करता बल्कि रोगी स्वयं करता है यानि यह कार्य प्रस्तुत कर्त्ता पर से रोगियों पर स्थानांतरित कर दिया जाता है यह स्थानांतरण धीरे-2 तथा एक क्रम मे किया जाता है

c. तीसरे चरण रोगी जब उपयुक्त तथा अपेक्षित व्यवहार शुरु करने लगते है तो धीरे-2 भौतिक पुरस्कार से उन्हे वंचित किया जाता है और इस तरह प्रतीकात्मक पुरस्कार के द्वारा उचित व्यवहारो को करना सीख लेते है और उनके बुरे व्यवहार नियंत्रित हो जाते है।

2. निरोधात्मक उपाय PREVENTIVE MEASURES- समाज विरोधी व्यक्तित्व के निरोधात्मक उपायो मे उचित प्राथमिक तथा द्वितीयक समाजीकरण, माता पिता की शिक्षा पारिवारिक सहभागिता आदि प्रमुख है इन उपायों की सहायता से बच्चो मे समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति उत्पन्न होने से बचाया जा सकता है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि समाज विरोधी व्यक्तित्व विकृति के अनेक कारण एवं लक्षण है जिसके आधार पर उन्हे

Scanned with CamScanner

आसानी से पहचाना जा सकता है साथ ही उपयुक्त चिकित्सा प्रविधी के संतुलित उपयोग से उनके व्यवहारों को काफी हद तक सामान्य भी बनाया जा सकता हो